गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 15 | गोरखपुर रविवार 05 अक्टूबर 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

मोदी बोले- एनडीए ने बिहार की बिगड़ी शिक्षा को संवारा, राजद-कांग्रेस ने किया था बर्बाद

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बिहार की "बर्बाद" शिक्षा व्यवस्था के लिए कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधा और इसे लोगों के दूसरे राज्यों में पलायन का कारण बताया। राष्ट्रीय राजधानी स्थित विज्ञान भवन में कौशल दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया कि बिहार में कांग्रेस-राजद शासन के दौरान न तो स्कूल खुले और न ही कोई भर्तियाँ हुईं। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को शायद अंदाजा नहीं होगा कि ढाई दशक पहले बिहार में शिक्षा व्यवस्था कितनी बदहाल थी। न स्कूल खुले थे, न ही भर्तियाँ हुईं। कौन माता-पिता नहीं चाहेगा कि उसका बच्चा यहाँ पढ़े और आगे बढ़े? लेकिन मजबूरी में लाखों बच्चे बिहार छोड़कर वाराणसी, दिल्ली और मुंबई जाने को मजबूर हुए। यहीं से पलायन की असली शुरूआत हुई। मोदी ने राज्य में शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और एनडीए सरकार की सराहना की। उन्होंने कहा, "सौभाग्य से बिहार की जनता ने नीतीश कुमार को सरकार की जिम्मेदारी सौंपी और हम सब इस बात के गवाह हैं कि कैसे एनडीए की पूरी टीम ने मिलकर बिगड़ी हुई व्यवस्था को पटरी पर लाया।" बिहार में जन नायक कपूर्री ठाकुर कौशल विश्वविद्यालय के उद्घाटन सहित 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की युवा-केंद्रित पहलों का शुभारंभ करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "मुझे खुशी है कि आज के कौशल दीक्षांत समारोह में बिहार को एक नया कौशल विश्वविद्यालय मिला है। नीतीश कुमार की सरकार ने इस विश्वविद्यालय का नाम भारत रत्न कपूर्री ठाकुर के नाम पर रखा है।" प्रधानमंत्री ने राजद-कांग्रेस शासन की तुलना में 10 लाख स्थायी सरकारी नौकरियाँ पैदा करने और शिक्षा बजट बढ़ाने के लिए बिहार सरकार की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "पिछले दो दशकों में, बिहार सरकार ने बिहार में 50 लाख युवाओं को रोजगार से जोड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में ही बिहार के युवाओं को लगभग 10 लाख स्थायी सरकारी नौकरियाँ दी गई हैं।" उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार बिहार के युवाओं की क्षमता को और निखारने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। राजद-कांग्रेस शासन की तुलना में बिहार का शिक्षा बजट कई गुना बढ़ा दिया गया है। आज बिहार के लगभग हर गाँव में एक स्कूल है। चाहे इंजीनियरिंग कॉलेज हों या मेडिकल कॉलेज, इनकी संख्या भी कई गुना बढ़ गई है। मोदी ने कहा कि एक समय था जब बिहार में खेलों से जुड़ा अंतरराष्ट्रीय स्तर का बुनियादी ढांचा भी नहीं था।

जयराम रमेश का दावा...

बिहार वोटर लिस्ट में बड़ा फर्जीवाड़ा, भाजपा की बी-टीम बन चुका चुनाव आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को दावा किया कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद अंतिम मतदाता सूची में अनियमितताएं सामने आई हैं। एक मीडिया रिपोर्ट साझा करते हुए, रमेश ने आरोप लगाया कि एक ही घर में 247 मतदाता पाए गए और एक ही बूथ पर एक व्यक्ति का नाम तीन बार दिखाई दिया। यह आरोप लगाते हुए कि एसआईआर सत्तारूढ़ सरकार के इशारे पर आयोजित किया गया था, उन्होंने चुनाव आयोग को भाजपा की बी-टीम कहा। कांग्रेस नेता ने एक एक्स पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि चुनाव आयोग ने भाजपा के इशारे पर पूरे एसआईआर नाटक की योजना बनाई है। यहाँ तक कि अंतिम एसआईआर में चुनाव आयोग द्वारा सुधारों के दावे भी झूठे साबित हो रहे हैं। बिहार के सभी क्षेत्रों से ऐसी रिपोर्टें आ रही हैं जो इस बात की पुष्टि करती हैं कि पूरी प्रक्रिया का एकमात्र उद्देश्य भाजपा और उसके सहयोगी दलों को राजनीतिक लाभ पहुँचाना है। उन्होंने आगे कहा, "एसआईआर प्रक्रिया के बाद भी, अंतिम सूची में अनियमितताओं के कई उदाहरण दर्शाते हैं कि चुनाव आयोग को सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेशों की कोई परवाह नहीं है।

नौ बच्चों की मौत के बाद मप्र सरकार ने कोल्ड्रिफ सिरप की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश सरकार ने छिंदवाड़ा जिले में सात सितंबर से संदिग्ध गुर्दा संक्रमण के कारण नौ बच्चों की मौत के बाद शनिवार को कोल्ड्रिफ सिरप की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को एक्स पर कहा, छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ सिरप के कारण बच्चों की मौत बेहद दुखद है। इस सिरप की बिक्री पूरे मध्यप्रदेश में प्रतिबंधित कर दी गई है। सिरप को बनाने वाली कंपनी के अन्य उत्पादों पर भी प्रतिबंध लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सिरप कांचीपुरम की एक फैक्टरी में बनाया गया था और घटना के बाद मध्यप्रदेश सरकार ने तमिलनाडु सरकार से जांच कराने का अनुरोध किया है।

बुलडोजर से नहीं, कानून से चलता है भारत

बीआर गवई का मॉरीशस में बड़ा बयान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश, बीआर गवई ने जोर देकर कहा कि भारत कानून के शासन से संचालित होने वाला देश है, जहाँ शासन संविधान और कानून के जरिए चलता है, न कि मनमानी या सत्ता के जरिए। मॉरीशस में कानून के शासन स्मारक व्याख्यान में बोलते हुए, मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों सहित हर व्यक्ति को कानून का पालन करना चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि ऐतिहासिक रूप से, कानून के नाम पर अन्याय किया गया है, जैसे गुलामी या औपनिवेशिक कानून, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वास्तविक कानून वह है जो न्याय, समानता और निष्पक्षता को कायम रखता है। मुख्य न्यायाधीश गवई ने 'बुलडोजर शासन' की भी आलोचना की और कहा कि बिना सुनवाई या कानूनी प्रक्रिया के किसी का घर गिराना कानून के शासन का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि भारत संविधान से चलेगा, बुलडोजर शासन से नहीं। मुख्य न्यायाधीश गवई ने भारत और मॉरीशस के बीच गहरे संबंधों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने उपनिवेशवाद की कठिनाइयों को सहन किया है और अब स्वतंत्र और लोकतांत्रिक समाजों के रूप में एक साथ खड़े हैं।

- **मॉरीशस में कानून के शासन स्मारक व्याख्यान में बोलते हुए, मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों सहित हर व्यक्ति को कानून का पालन करना चाहिए। उन्होंने स्वीकार किया कि ऐतिहासिक रूप से, कानून के नाम पर अन्याय किया गया है, जैसे गुलामी या औपनिवेशिक कानून, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया।**

जल संकट से निपटने के लिए योगी सरकार का बड़ा कदम, चेकडैम, तालाब, ब्लास्टकूप और रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर विशेष जोर

- **एक पेड़ मां के नाम की तर्ज पर चेकडैम, तालाब और ब्लास्टकूप निर्माण को बनाएं जनांदोलन: योगी आदित्यनाथ**
- **नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग (लघु सिंचाई) के कार्यों की समीक्षा की**

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग (लघु सिंचाई) की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कहा कि जल संकट आज हमारी सामूहिक चिंता का विषय बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चेक डैम, तालाब और ब्लास्टकूप वर्षा जल को रोककर धीरे-धीरे उसे भूमि में समाहित होने देते हैं। यह केवल स्थानीय प्राथमिकता नहीं है बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता है। चेक डैम, तालाब और ब्लास्टकूप केवल पानी रोकने की व्यवस्था नहीं बल्कि समेकित जल प्रबन्धन है, जो बड़े बांधों की तुलना में यह काफी किफायती है। उन्होंने निर्देशित किया कि एक पेड़ मां के नाम की तर्ज पर जनांदोलन बनाते हुए चेक डैम, तालाब और ब्लास्टकूप का निर्माण एवं जीर्णोद्धार कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश विभिन्न भागों स्थानीय/बरसाती नदी/ नालों में विभाग द्वारा अद्यतन 6,448 चेकडैमों का निर्माण किया जा चुका है। प्रत्येक चेकडैम से औसतन 20 हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता विकसित होती है। इस प्रकार निर्मित चेकडैमों से कुल 1,28,960 हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता सृजित हुई है और हर साल 10 हजार हेक्टेयर मीटर से अधिक भूजल रिचार्ज हो रहा है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से अन्नदाता किसान वर्ष में दो से तीन फसल लेने में सक्षम हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्षा जल संचयन और ग्राउंड वाटर रिचार्जिंग की दिशा में प्रदेश सरकार लगातार कदम उठा रही है। वित्तीय वर्ष 2022-23 से अब तक 1,002 चेकडैमों की डी-सिल्टिंग और मरम्मत कर उनकी क्षमता में वृद्धि की गई है। इसी तरह प्रदेश के 1 से 5 हेक्टेयर के 16,610 तालाबों में से 1,343 का पुनर्विकास और जीर्णोद्धार किया गया है, वहीं वर्ष 2017-2025 तक 6192 ब्लास्टकूप के माध्यम से 18576 हेक्टेयर सिंचन क्षमता सृजित हुई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि बरसात से पहले यानी 1 अप्रैल से 15 जून तक कुम्हारों को तालाब से मुफ्त मिट्टी निकालने की छूट दी जाए, ताकि तालाब रिचार्ज के लिए तैयार हो सकें। बरसात के बाद इन्हें मत्स्य पालन और सिंघाड़ा उत्पादन के लिए उपयोग में लाकर बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित किए जाएं। रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर विशेष बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 100 वर्ग मीटर से बड़े सभी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की सुविधा अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए यह कदम निर्णायक साबित होगा।

सम्पादकीय...

मौत का सिरप

कैसी विडंबना है कि जीवन रक्षा के लिये दी जाने वाली दवा मौत का कारण बन जाए। जो दवा की संदिग्ध गुणवत्ता और निमार्ता कंपनियों की आपराधिक लापरवाही को ही उजागर करती है। जाहिर है रसायनों की घातकता की मात्रा और गुणवत्ता में कोई खोट इस तरह के हादसों का सबब बना होगा। राजस्थान में कुछ बच्चों की मौत की वजह का संबंध उस सिरप से बताया जा रहा है, जो खांसी ठीक करने के लिये दिया गया। ये हादसे इस बात को रेखांकित करते हैं कि दवा की गुणवत्ता में चूक सामान्य उपचार को कितने जानलेवा जोखिम में बदल सकती है। बताया जाता है कि बच्चों को कथित रूप से मुख्यमंत्री की मुफ्त दवा योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में एक जेनेरिक खांसी की सिरप दी गई थी। जबकि इस मामले में जांच चल रही है, यह त्रासदी भारत की फार्मास्यूटिकल निगरानी तंत्र की कोताही ही उजागर करती है। खासकर हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में, जो फार्मा हब के रूप में प्रमुख रूप से उल्लेखित है। महत्वपूर्ण है कि हिमाचल प्रदेश की 655 फार्मास्यूटिकल इकाइयों में से केवल 122 ही जीएमपी यानी गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज के संशोधित शेड्यूल एम मानकों के तहत अपग्रेड करने के लिये पंजीकृत हैं। इसका मतलब यह है कि अधिकांश फार्मा इकाइयां गुणवत्ता मानकों के अनुपालन को प्रमाणित किए बिना काम कर रही हैं। ये जनस्वास्थ्य के प्रति कितनी गैरजिम्मेदार स्थिति है। जबकि हकीकत यह है कि फार्मास्यूटिकल इकाइयों को अपग्रेड करने की समय सीमा कई बार बढ़ाई गई है। यह नियामक तंत्र की कमजोरियों और छोटी फर्मों में सुरक्षित प्रक्रियाओं में निवेश करने की अनिच्छा को ही उजागर करती है। यह विडंबना ही है कि हमारा तंत्र जन-स्वास्थ्य के खिलवाड़ के प्रति उदासीन बना हुआ है। निस्संदेह, जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया, उनके लिये यह बहस कोई सांत्वना नहीं है। उन्हें सही मायनों में सांत्वना तभी मिलेगी जब आपराधिक लापरवाही करने वालों को दंडित किया जाएगा।विडंबना यह है कि अतीत में भी ऐसी कई त्रासदियां हुई हैं, लेकिन हमारे तंत्र ने इससे कोई सबक नहीं सीखा। हालांकि शुक्रवार को केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को परामर्श जारी किया है कि दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और सर्दी की दवाइयां नहीं दी जाएं। वर्ष 2020 में भी एक ऐसी त्रासदी सामने आई थी, लेकिन कुछ दिन के शोर के बाद मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। विडंबना देखिए कि मृत बच्चों के परिजन आज भी न्याय की प्रतीक्षा में आंसू बहा रहे हैं। हकीकत यह है कि ऐसी मौतों की जिम्मेदारी तय करने में लगातार देरी होती रहती है। ऐसे हादसों को या तो कमतर दशार्या जाता है या फिर पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया जाता है। उल्लेखनीय है कि विगत में भारत को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसी ही शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा था। भारत की फार्मा कंपनियों के द्वारा तैयार सिरप से गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में बच्चों की मौत का लिंक पाए जाने के बाद भारतीय दवाओं पर प्रतिबंध लगाए गए थे। निस्संदेह, ऐसे गैर-जिम्मेदार तरीके से तैयार दवाइयों के चलते भारत की विश्व की फामेर्सी के रूप में हासिल प्रतिष्ठा को ही नुकसान पहुंचा है। हमारे नियामक तंत्र को और कितने बच्चों के मरने का इंतजार है.. जरूरी है इससे पहले गुणवत्ता नियंत्रण सिर्फ कागज पर नहीं व्यवहार में लागू करने की जरूरत है।

राशिफल

मेषः- आज का दिन शुभ और फलदायी होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह है। यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है। महिला के साथ विवाद में न उतरें।

वृषभः- मन को स्थिर रखने की सलाह गणेशजी देते हैं, क्योंकि अर्निणय की मनोदशा से अवसर गवां सकते हैं। प्रवास का आयोजन टाल दें। नए कार्य प्रारंभ न करें।

मिथुनः- लक्ष्मीजी की कृपा से दिन लाभदायी होगा। उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्र व अपनों के साथ से दिन आनंददायी होगा। धन अधिक व्यय न करें।

कर्कः- कोई भी महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। संबंधियों से मनमुटाव हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचें।

सिंहः- आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ और पर्यटन की संभावना है।

हाथ आया अवसर जा सकता है, इसलिए निर्णय टाल दें। व्यापार एवं आर्थिक लाभ के योग हैं।

कन्याः- आज दिन शुभ है। नए कार्य संपन्न होंगे। व्यापारी व नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापार में लाभ व नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। पिता से लाभ होगा।

तुलाः- व्यावसाय में लाभ की संभावना है ऐसा गणेशजी कहते हैं। नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा का आयोजन हो सकता है। अस्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिकः- आज शांति व सावधानीपूर्वक रूप से रहने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता के योग हैं। क्रोध पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहें।

धनुः- आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सहवास का आनंद मिलेगा। प्रवास, पर्यटन होगा। लेखनकार्य के दिन अनुकूल है। साझेदारी से लाभ होगा।

मकरः- व्यापार में विकास के लिए आज का दिन लाभकारी रहेगा। धन के लेनदेन में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा।

कुंभः- आप की वाणी व विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में शामिल होंगे। आकस्मिक खर्च की आशंका है। पाचन न होने जैसी बीमारियों से परेशान होंगे।

मीनः- गणेशजी कहते हैं कि आप में उत्साह व स्फूर्ति की कमी होगी। परिजनों के साथ विवाद न करें। अस्वस्थ महसूस करेंगे। नौकरी में चिंता रहेगी। धन व कीर्ति की हानि न हो ध्यान रखें।

यदि भारत वस्तुतः हिंदू राष्ट्र बन जाता है, तो इसका दलितों पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

एसआर दारापुरी

भारत के वस्तुतः हिंदू राष्ट्र बनने की अवधारणाकृएक ऐसा राष्ट्र जहाँ शासन, कानून और समाज में हिंदू पहचान और मूल्यों को प्राथमिकता दी जाती हैकृराजनीतिक और सामाजिक विमर्श में एक काल्पनिक परिदृश्य बनी हुई है जिस पर बहस होती है। इसे अक्सर आरएसएस और भाजपा जैसे समूहों द्वारा प्रचारित हिंदू राष्ट्रवादी विचारधाराओं से जोड़ा जाता है, जो हिंदू धर्म के अंतर्गत सांस्कृतिक और धार्मिक एकता पर जोर देती हैं। दलित (अनुसूचित जातियाँ), जिन्हें पारंपरिक हिंदू धर्म में अंतर्निहित जाति व्यवस्था के तहत ऐतिहासिक रूप से गंभीर भेदभाव का सामना करना पड़ा है, बहुआयामी प्रभावों का अनुभव कर सकते हैं। विद्वानों, कार्यकताओं और सार्वजनिक चचाओं के विश्लेषणों के आधार पर, प्रभाव मुख्यतः नकारात्मक होने की संभावना है, जो जातिगत पदानुक्रम को संभावित रूप से बढ़ा सकते हैं जबकि कुछ लोगों के लिए सीमित या सतही समावेशन प्रदान कर सकते हैं। नीचे, उपलब्ध दृष्टिकोणों के आधार पर, संतुलित तरीके से प्रमुख संभावित प्रभावों की रूपरेखा प्रस्तुत किया जा रहा है। एक हिंदू राष्ट्र वर्ण व्यवस्था (जाति विभाजन) को राज्य की नीतियों में और गहराई से समाहित कर सकता है, दलितों को पारंपरिक हिंदू ग्रंथों के नजरिए से देख सकता है, जिनमें ऐतिहासिक रूप से उन्हें ष्बहिष्कृतष या अछूत माना जाता रहा है। उच्च जातियों का प्रभुत्व बढ़ सकता है, जिसके परिणामस्वरूप सामाजिक बहिष्कार में वृद्धिरू दलितों को नए कलंक का सामना करना पड़ सकता है, अस्पृश्यता जैसी प्रथाएँ सूक्ष्म या प्रत्यक्ष रूपों में फिर से उभर सकती हैं, उन्हें तुच्छ नौकरियों तक सीमित कर सकती हैं और शिक्षा या संसाधनों तक उनकी पहुँच सीमित कर सकती हैं। उदाहरण के लिए, कुछ लोग तर्क देते हैं कि ब्राह्मण-नेतृत्व वाली विचारधाराएँ दलितों को फिर से अधीनस्थ भूमिकाओं में धकेल देंगी, उन्हें धर्मनिरपेक्ष संविधान के संरक्षण के बिना ष्गुलामष जैसा व्यवहार करेंगी। जाति-आधारित अत्याचार, जो पहले से ही व्याप्त हैं, मजबूत धर्मनिरपेक्ष सुरक्षा उपायों के बिना और बढ़ सकते हैं। विशेष रूप से दलित महिलाओं को यौन हिंसा और न्याय के अभाव का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि हिंदू राष्ट्रवादी आख्यान कभी-कभी जातिगत विभाजन को कम करके आंकते हैं या उसे उचित ठहराते हैं।ऊँची जातियों के पक्ष में नीतियों के कारण भूमि, नौकरियों और संपत्ति तक पहुँच सीमित हो सकती है। दलितों पर आगे के बहिष्कार से बचने के लिए ष्पुनः धर्मांतरणष या हिंदुत्व के साथ जुड़ने का दबाव डाला जा सकता है, लेकिन यह उनकी स्वायत्तता की कीमत पर हो सकता है।ऐतिहासिक रूप से, हिंदू राष्ट्रवादियों ने जनसांख्यिकीय और चुनावी लाभ के लिए दलितों को एक व्यापक हिंदू पहचान में शामिल करने का प्रयास किया है, जबकि पारंपरिक ग्रंथों में उन्हें मूल हिंदू रीति-रिवाजों से बाहर रखा गया है। यह ष्समावेशष अक्सर सतही होता है और जातिगत बाधाओं को दूर नहीं करता है।भारत का संविधान, बी.आर. अंबेडकर (एक दलित नेता जिन्होंने हिंदू धर्म को अस्वीकार किया) द्वारा निर्मित, ऐतिहासिक अन्याय का मुकाबला करने के लिए अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण प्रदान करता है। एक हिंदू राष्ट्र में लाभों का संभावित क्षरण हिंदू-केंद्रित ढांचे के तहत आरक्षण को फिर से तैयार या कमजोर किया जा सकता है, खासकर यदि दलित

हिंदू धर्म छोड़कर (जैसे, बौद्ध धर्म, इस्लाम या ईसाई धर्म अपनाते हैं), जिससे अनुसूचित जाति का दर्जा और नौकरियों, शिक्षा या आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों के लिए पात्रता समाप्त हो जाती है। कुछ लोगों को डर है कि इसका असर जातियों के कठोर पुनर्वर्गीकरण तक पहुँच सकता है, यहाँ तक कि उच्च-स्तरीय दलितों को भी स्थायी रूप से ष्शूद्रष मान लिया जाएगा। ऐतिहासिक रूप से, कई दलितों ने जातिगत उत्पीड़न के विरोध में अन्य धर्मों (जैसे, बौद्ध धर्म) को अपनाया है। एक हिंदू राष्ट्र धर्मांतरण-विरोधी कानूनों को और सख्त कर सकता है, इस पलायन मार्ग को प्रतिबंधित कर सकता है और आत्मसात करने के लिए मजबूर कर सकता है, जिससे और अधिक अशांति फैल सकती है। हालाँकि समर्थकों का दावा है कि यह हिंदुओं को एकजुट करेगा, यह आंतरिक विभाजन को और कठोर बना सकता है, जिससे दलित उच्च-जाति के विरोध के खिलाफ लामबंद हो सकते हैं। शिक्षित दलित पहले से ही अधिकारों के प्रति जागरूकता के माध्यम से इसका मुकाबला कर रहे हैं। हालाँकि, इससे व्यापक सामाजिक अस्थिरता पैदा हो सकती है, जो अल्पसंख्यकों को प्रभावित करने वाले धार्मिक ध्रुवीकरण के समान है। कुछ दलित अन्य समूहों (जैसे, मुसलमानों) के खिलाफ कथित सुरक्षा या सशक्तिकरण के लिए हिंदुत्व से जुड़ते हैं, और सरकारी योजनाएँ जारी रह सकती हैं। लेकिन आलोचकों का तर्क है कि यह दिखावटी है, मूल जातिगत मुद्दों को संबोधित नहीं करता है। दलितों को मुसलमानों और ईसाइयों (ष्बाहरी दुश्मनष) के खिलाफ हिंदुत्व के पैदल सैनिकों के रूप में संगठित किया जा सकता है, लेकिन जाति के खिलाफ उनकी अपनी लड़ाई को दबाया जा सकता है।

कुछ खास...

धरती और प्रकृति का बदलता नैसर्गिक स्वरूप, बाढ़-सूखा और भूकंप

इंसान की लालच ने मूक धरती को भी कहीं का नहीं छोड़ा है इंसानों की स्वार्थी गतिविधियों के कारण आज पृथ्वी पर उष्णता का गंभीर संकट मंडरा रहा है। धरती, जिसे हमने सदा मां का सम्मान दिया है,आज वही पृथ्वी माता अपनी ही संतानों के लोभ,लालच

और स्पृहा से कराह कर,जख्मी हो कर तड़प रही है। औद्योगिकीकरण की अंधा-धुंध दौड़, प्रदूषण का भयानक विस्तारित स्वरूप, जंगलों की बेदर्द कटाई और धरती में उपलब्ध संसाधनों का अंधाधुंध दोहन इन सबने धरती का संतुलन बिगाड़ कर रख दिया है। नतीजा यह है कि कभी बरसात बेकाबू होकर प्रलय लाती है, तो कभी महीनों तक आसमान सूखा रहकर दरारें छोड़ देता है। यही है आज का सबसे बड़ा संकट अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं जैसे इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज और विश्व मौसम विज्ञान संगठन की रिपोर्टें बता रही हैं कि धरती का औसत तापमान औद्योगिक क्रांति के बाद से 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। सुनने में यह मामूली छोटा आंकड़ा लगता है, पर इसके असर बेहद भयावह हैं। हिमखंड पिघल रहे हैं, समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है और मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल चुका है। भारत खेती पर ही अधारित,निर्भर देश इसका सबसे बड़ा भुक्त भोगी रहा है। यहां की अर्थव्यवस्था और करोड़ों किसानों का जीवन मानसून पर अवलंबित तथा टिका हुआ है। लेकिन अब मानसून का स्वरूप पूरी तरह तहस नहस हो चुका है। देश के राज्य कीगईअसम, बिहार और उत्तराखंड में हर साल बाढ़ तबाही मचाती है, जबकि विदर्भ, मराठवाड़ा, बुंदेलखंड और राजस्थान में सूखा किसानों को आत्महत्या तक करने को मजबूर कर देशता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी और 2018 की केरल बाढ़ ने लाखों परिवार उजाड़ दिए हैं। वैश्विक स्तर पर दुनिया के दूसरे हिस्सों की तस्वीर भी उतनी ही डरावनी है। चीन की यांग्त्जी नदी की बाढ़ करोड़ों लोगों को प्रभावित करती है। अफ्रीका का साहेल क्षेत्र लगातार सूखे से जूझ रहा है। अमेरिका के कैलिफोर्निया और ऑस्ट्रेलिया के जंगलों की आग हर साल नई तबाही लाती है। यूरोप की गर्म हवाएं हजारों लोगों की जान ले चुकी हैं। हमारे पड़ोसी बांग्लादेश और नेपाल बार-बार बाढ़ और तूफानों से त्रस्त रहते हैं। यह स्पष्ट है कि वैश्विक उष्णता अब किसी एक देश का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरी मानवता का संकट है। भारतीय संस्कृति सदा से प्रकृति को पूजती आ रही है। ऋग्वेद से लेकर महात्मा गांधी तक हमें यही संदेश मिला कि प्रकृति का सम्मान करो, उसका दोहन नहीं। गांधी जी ने चेताया था कि ष्धरती मनुष्य की जरूरत पूरी कर सकती है, लेकिन उसके लालच को नहीं। दुर्भाग्य से हमने इस चेतावनी की अनदेखी की और आज परिणाम हमारे सामने है। फिर भी उम्मीद बाकी है। बचाव के रास्ते हमारे ही हाथों में हैं। कोयले और पेट्रोलियम पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन और बायोगैस जैसी नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। जंगलों की कटाई रोककर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करना होगा। जल संरक्षण को आंदोलन का रूप देना होगा। तालाब-कुएं पुनर्जीवित करने होंगे, नदियों की सफाई करनी होगी। किसानों को सूक्ष्म सिंचाई और आधुनिक जल प्रबंधन से जोड़ना होगा। और व्यक्तिगत स्तर पर ऊर्जा की बचत, प्लास्टिक का कम प्रयोग और हरित जीवनशैली अपनाना अब हर नागरिक का धर्म होना चाहिए।

इंडियाज गॉट टैलेंट के साथ शुरू होगा एंटरटेनमेंट का नया सफर, आज होगा प्रीमियर

स्टेज और लाइट्स तैयार है, दर्शकों के बीच उत्साह अपने चरम पर है, क्योंकि इंडियाज गॉट टैलेंट आज रात 9.30 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी स्प्ट पर

प्रीमियर हो रहा है। बता दें कि इसे भारत का सबसे बड़ा नॉन-फिक्शन शो माना जाता है। ऐसे में इस सीजन में आपको अजब टैलेंट्स और उनके गजब परफॉर्मेंस देखने को मिलने वाले हैं, जैसे आपने पहले कभी नहीं देखा होगा। इस साल के शानदार जजों के पैनल में नवजोत सिंह सिद्धू, मलाइका अरोड़ा और शान जैसी सबसे अनोखी और जोशीली तिकड़ी है। सिद्धू की जबरदस्त शायरी हर परफॉर्मेंस के जादू को पकड़ती है और मलाइका और शान के साथ उनकी शानदार केमिस्ट्री इस सीजन के एंटरटेनमेंट लेवल को आसमान तक ले जाने वाली है। लेकिन असली स्टार्स हैं परफॉर्मेंस कृ पूरे देश के अजब टैलेंट्स जिन्होंने समाज द्वारा किए गए शक के बावजूद अपने शौक को आगे बढ़ाया है। उनके कभी न देखे गए एक्ट्स इस सीजन के नारे जो अजब है, वो गजब है को पूरी तरह से पेश करते हैं। अलग चीजों को यादगार बनाते हुए! नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा, मैं ऐसे टैलेंट्स को देखने के लिए बहुत खुश हूं जो अलग, क्रिएटिव और हिम्मत वाले हैं। ये टैलेंट्स न सिर्फ देश को हैरान करेंगे बल्कि दूसरों को भी अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करेंगे! इंडियाज गॉट टैलेंट आज रात 9.30 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लाइव पर

तेरे इश्क में का टीजर रिलीज होते ही छाया, फैंस बोले, यह है सिनेमा की ताकत

सुपरस्टार धनुष और कृति सैनन की आने वाली फिल्म तेरे इश्क में का टीजर रिलीज होते ही इंटरनेट पर धूम मचा रहा है। टीजर ने कुछ ही घंटों में यूट्यूब पर 25,000 से

अधिक कमेंट्स बटोर लिए और हिंदी भाषा में नंबर 1 पर ट्रेंड करने लगा। फैंस इसे प्योर सिनेमा और मास्टरपीस इन द मेकिंग बता रहे हैं, जिससे यह साल के सबसे चर्चित टीजरों में से एक बन गया है। निर्देशक आनंद एल. राय की इस फिल्म में धनुष एक बार फिर अपने पसंदीदा अंदाज गहराई से भरे रोमांस में लौटते नजर आ रहे हैं। दो मिनट के टीजर में प्रेम, पीड़ा और जुनून का ऐसा संगम दिखता है, जिसने दर्शकों को भावुक कर दिया है। खासकर धनुष के डायलॉग्स ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। टीजर की शुरूआत होती है कृति सैनन के किरदार की हल्दी सेरेमनी से, जहां खुशियां और संगीत का माहौल है। लेकिन जल्द ही माहौल बदलता है जब धनुष घायल अवस्था में एंट्री करते हैं और कृति से आंखें मिलती हैं एक पल जो पूरी कहानी कह देता है। अपने बाप को जलाने गया था बनारस सोचा तेरे लिए गंगाजल लेता आऊंइ नई जिंदगी शुरू कर रही है, पुराने पाप तो धो ले। शंकर करे तेरा बेटा हो इश्क में जो मर जाते हैं, वो भी किसी के बेटे होते हैं। फैंस ने धनुष की दमदार अदाकारी, राय की खूबसूरत विजुअल स्टोरीटेलिंग और कृति की प्रभावशाली मौजूदगी की जमकर तारीफ की है। टीजर हिंदी समेत कई भाषाओं में ट्रेंड कर रहा है और कई दर्शकों ने फिल्म को 2025 की कल्ट क्लासिक इन द मेकिंग तक कह दिया है जबकि ट्रेलर अभी आना बाकी है। गुलशन कुमार, टी-सीरीज और कलर येलो प्रोडक्शन्स प्रस्तुत करते हैं तेरे इश्क में। फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय ने किया है और कहानी हिमांशु शर्मा व नीरज यादव ने लिखी है। संगीत ए. आर. रहमान का है और गीत इरशाद कामिल ने लिखे हैं। धनुष और कृति सैनन अभिनीत यह फिल्म 28 नवंबर 2025 को हिंदी और तमिल में विश्वभर में रिलीज की जाएगी।

दूसरी प्रेग्नेंसी की अफवाहों के बीच कैमरे में कैद हुईं सोनम कपूर, फैंस ने ढूंढा 'बेबी बंप'

अभिनेत्री सोनम कपूर इन दिनों अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की अफवाहों के चलते सुर्खियों में हैं। ये अफवाहें सामने आने के बाद बीती रात वह पहली बार कैमरे में कैद हुईं। दरअसल, सोनम अपनी बहन अंशुला कपूर और उनके मंगेतर रोहन ठक्कर की सगाई के जश्न में शामिल होने पहुंची थीं, जिसे दशहरा के शुभ अवसर पर आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में कपूर परिवार और बॉलीवुड के कई लोग मौजूद थे। सोनम वहां पूरे स्टाइल अंदाज में पहुंचीं। हालांकि, उन्होंने पैपराजी को पोज देने से परहेज किया और सीधे बिल्डिंग के अंदर चली गईं। उनके लूज आउटफिट के बावजूद, सामने आए वीडियो में लोगों ने उनका 'बेबी बंप' खोजना शुरू कर दिया है, जिससे अफवाहों का बाजार और गर्म हो गया है। सोनम की दूसरी गर्भावस्था को लेकर एक सूत्र ने पिंकविला को बताया, 'सोनम अपनी गर्भावस्था की दूसरी तिमाही में हैं, और यह खबर दोनों परिवारों के लिए बेहद खुशी लेकर आई है।' काम की बात करें तो, सोनम कपूर आहूजा आखिरी बार 2023 में फिल्म 'ब्लाइंड' में नजर आई थीं, जिसकी शूटिंग उन्होंने अपनी पहली गर्भावस्था से पहले की थी। बेटे वायु के जन्म के बाद उन्होंने अपने करियर से ब्रेक लिया था। हालांकि, 2023 में उन्होंने बताया था कि वह जल्द ही अनुजा चौहान के उपन्यास पर आधारित अपनी अगली फिल्म, 'बैटल ऑफ बिट्टोरा' के साथ वापसी करेंगी।

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की रोमांचक लव स्टोरी

तेलुगु सिनेमा के सबसे चर्चित और पसंदीदा जोड़ी रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के बीच रिश्ते की बातें इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। मीडिया और फैंस में सगाई के कयास तेज हो गए हैं। कहा जा रहा है कि 3 अक्टूबर 2025 को हैदराबाद में एक निजी समारोह में दोनों ने अपने रिश्ते को एक नए मुकाम पर पहुंचाया। हालांकि, दोनों ने अभी तक इस खबर को आधिकारिक तौर पर स्वीकार नहीं किया है। इसी बीच, हम लेकर आए हैं इस जोड़ी की लव स्टोरी की पूरी टाइमलाइन, जो है रोमांचक और दिल छू लेने वाली। रश्मिका और विजय की कहानी 2017 में फिल्म गीता गोविंदम के सेट पर शुरू हुई थी। उस वक्त रश्मिका अपनी पहली की सगाई टूटने के बाद काफी भावनात्मक दौर से गुजर रही थीं। विजय के साथ उनकी ही जगह केमिस्ट्री ने फैंस का ध्यान खींचा और जल्द ही ये जोड़ी ऑन-स्क्रीन और ऑफ-स्क्रीन दोनों 2019 में खूब पसंद की जाने लगी। फिल्म की सफलता ने इनके बीच की बॉन्डिंग को और मजबूत किया। इसके साथ दोनों फिर से डियर कॉमरेड फिल्म में साथ नजर आए, जहां उनकी केमिस्ट्री ने और भी जादू कर दिया। अपने दौरान, मीडिया और फैंस के बीच डेटिंग की चचाएं तेज हो गईं। सेट पर और बाहर कई बार इन्हें और पोस्ट इस बात का सबूत थीं कि ये देखा गया, जिससे इन अटकलों को बल मिला। 2020 से 2022 के बीच, दोनों ने सार्वजनिक रूप से रिश्ते को स्वीकार नहीं किया, लेकिन उनकी हरकतें साथ वेकेशन मनाना, फैंस के लिए रिश्ते छुपा नहीं रहा। अलग-अलग जगहों पर एक फंक्शंस में की पुष्टि जैसी थी। साथ ही, विजय के फैमिली दी और रश्मिका की उपस्थिति ने रिश्ते को और मजबूती 2023 में, दोनों की सार्वजनिक उपस्थिति बढ़ी इंटरव्यू के दौरान रिश्ते के संकेत मिलने लगे। खास बात तब हुई जब रश्मिका ने एक टीवी शो में अपने को-स्टार रणबीर कपूर के सामने विजय को फोन किया। इस नाजुक पल ने फैंस के दिलों को पिघला दिया। इसके बाद, 2025 में दोनों ने ओमान में रश्मिका का जन्मदिन साथ मनाया, जिससे रिश्ता और भी स्पष्ट हो गया। अक्टूबर 2025 में खबर आई कि दोनों ने हैदराबाद में एक गुप्त समारोह में सगाई कर ली है। यह फंक्शन बेहद निजी और सादगी से सम्पन्न हुआ, जिसके कोई आधिकारिक तस्वीरें सामने नहीं आईं। इंडस्ट्री सूत्रों की मानें तो ये कपल फरवरी 2026 में शादी के बंधन में बंधने वाला है।

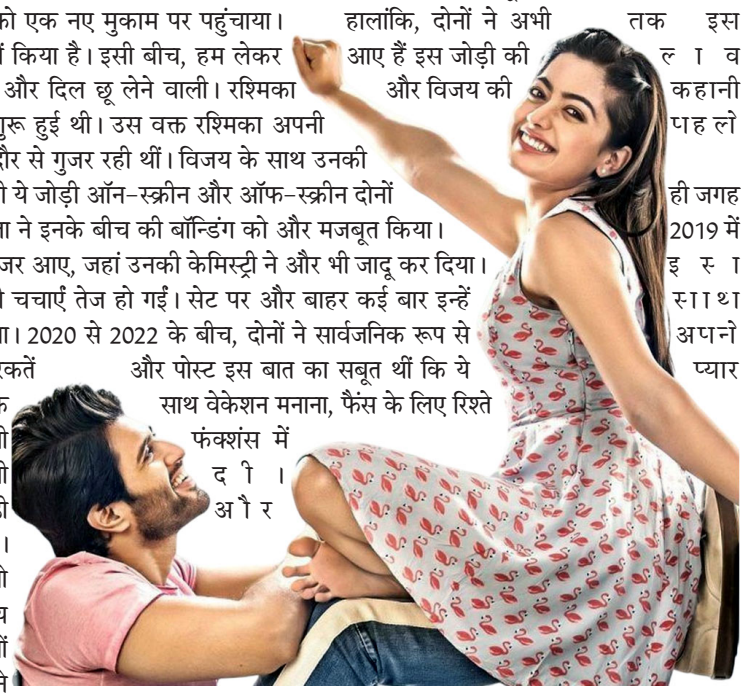

युवाओं में तेजी से बढ़ रहा है आंत का कैंसर, अध्ययन में इसकी सबसे बड़ी वजह का हुआ खुलासा

लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी ने कई गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को काफी बढ़ा दिया है। लिहाजा कम उम्र के लोग भी तेजी से हृदय रोग, डायबिटीज और कैंसर जैसे बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि युवा आबादी में कैंसर के मामले भी बढ़ते जा रहे हैं, जिसके कारण न सिर्फ स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है साथ ही ये मौत का भी प्रमुख कारण है। हालिया रिपोर्ट्स में युवा आबादी के बीच बढ़ते कोलन कैंसर के जोखिमों को लेकर अलर्ट किया गया है। कोलन कैंसर या कोलोरेक्टल कैंसर, एक प्रकार का कैंसर है जो बड़ी आंत या मलाशय में शुरू होता है। मल त्याग की आदतों में बदलाव, मल में खून आने और पेट में अक्सर बने रहने वाले तेज दर्द को इसका प्रमुख लक्षण माना जाता रहा है। शुक्रवार (3 अक्तूबर) को अमर उजाला में प्रकाशित रिपोर्ट में हमने बताया कि किस तरह से लंबी दौड़ लगाने वाले लोगों में कोलन कैंसर का जोखिम बढ़ जाता है। अब एक अन्य अध्ययन में शोधकताओं ने इसके कुछ अन्य जोखिम कारक बताए हैं जिसके कारण भी लोगों को आंत का कैंसर हो सकता है।

युवाओं में कोलोरेक्टल कैंसर का जोखिम

मेडिकल रिपोर्ट्स बताती हैं कि कोलोरेक्टल कैंसर आमतौर पर 60 से अधिक उम्र के लोगों अधिक देखी जाने वाली समस्या रही है, हालांकि अब कम उम्र वालों में इसका खतरा बढ़ गया है। ये सिर्फ व्यापक स्क्रीनिंग या बेहतर निदान के कारण बढ़ता डेटा नहीं है, खान-पान से संबंधित गड़बड़ियां इसका प्रमुख कारण हो सकती हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि युवाओं में कोलन कैंसर के 75% मामले ऐसे देखे जा रहे हैं जिनका कोई पूर्व पारिवारिक इतिहास या ज्ञात आनुवंशिक प्रवृत्ति नहीं रही है। ऐसे लोगों में जिस एक कारण को सबसे ज्यादा जिम्मेदार पाया गया है अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स की आदत उनमें से एक है।

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स बढ़ा रहे हैं जोखिम

नेचर रिव्यूज एंडोक्रिनोलॉजी में साल 2025 की समीक्षा में इन संबंधों पर प्रकाश डाला गया है। शोधकताओं ने पाया कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स का बढ़ता सेवन युवाओं में इस खतरनाक कैंसर को बढ़ाता जा रहा है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में वैज्ञानिकों ने तीन बड़े अमेरिकी समूहों को शामिल किया, ताकि इस तरह के खाद्य पदार्थों और कोलोरेक्टल कैंसर के जोखिम के बीच संबंधों का पता लगाया जा सके। इनमें से एक समूह में 46,000 से ज्यादा पुरुष शामिल थे, जिनका 24 से 28 वर्षों तक अध्ययन किया गया।

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड का किस तरह से पड़ता है असर

शोधकताओं ने पाया कि अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स शरीर में इंसुलिन के सिग्नल और प्रभावों को बाधित कर सकते हैं। इसके अलावा इससे इंफ्लेमेशन और आंत के माइक्रोबायोम में परिवर्तन भी देखा गया है। ये सभी कैंसर के विकास को बढ़ाने वाले हो सकते हैं। हम जो खाते हैं उसका असर हमारी कोशिकाओं की वृद्धि, प्रतिरक्षा प्रणाली की कार्यप्रणाली और हमारे आंत के बैक्टीरिया पर पड़ता है। अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स में आमतौर पर पाए जाने वाले इमल्सीफायर, एडिटिव्स और कृत्रिम स्वीटनर को अध्ययनों में आंतों की सूजन और ट्यूमर के विकास को बढ़ावा देने वाले पाए गए हैं। ऐसे में इस तरह की चीजों का अधिक सेवन शरीर को गंभीर रूप से क्षति पहुंचाने वाला हो सकता है।

कोलन कैंसर के लक्षण और बचाव

युवाओं में कोलन कैंसर का खतरा इसलिए और खतरनाक है क्योंकि शुरूआती लक्षण जैसे पेट दर्द, कब्ज या खून आना अक्सर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं। जब तक सही जांच होती है, तब तक बीमारी बढ़ चुकी होती है। इसलिए जरूरी है कि युवा अपनी जीवनशैली पर ध्यान दें। ज्यादा से ज्यादा फाइबर, हरी सब्जियां और फल खाएं। इसके अलावा नियमित व्यायाम करें और नियमित रूप से हेल्थ चेकअप कराते रहें। सही जागरूकता इस बढ़ती समस्या को रोकने का सबसे बड़ा हथियार हो सकती है।

करवा चौथ पर कुछ सोने का खरीदना है, ये 5 गहने कुछ हजार में बन जाएंगे

तो अगर आप भी करवा चौथ पर नई ज्वेलरी खरीदने का सोच रही हैं, लेकिन बजट की चिंता है, तो ये लेख आपके लिए बहुत मददगार साबित होगा। यहां हम आपके लिए कुछ ऐसे ज्वेलरी विकल्प लेकर आए हैं जो न केवल आपके लुक को परफेक्ट बनाएंगे बल्कि आपकी जेब पर भी भारी नहीं पड़ेंगे। आप अपनी पसंद और बजट के अनुसार इन्हें चुन सकती हैं और करवा चौथ पर सबसे खूबसूरत दिख सकती हैं। तो चलिए जानते हैं कुछ खूबसूरत और किफायती ज्वेलरी विकल्पों के बारे में। **गोल्ड चेन और पैंडेंट :** अगर आपका बजट कम है तो आप करवा चौथ के मौके पर गोल्ड चेन और पैंडेंट खरीद सकती हैं। सोने की चेन 3-4 ग्राम में आसानी से बन बन जाती है। इस चेन के साथ कम से कम 1-सवा ग्राम का पैंडेंट उसके साथ पहनें। ये रोजाना में पहनने के लिए परफेक्ट मानी जाती है। **झुमके :** कानों में पहनने वाले झुमके हर महिला को पसंद आते हैं। अगर झुमके नहीं खरीदने तो आप टॉप्स भी खरीद सकते हैं। सोने के टॉप्स तो बड़ी ही आसानी से दो ग्राम में भी बन जाते हैं। झुमकों के लिए आपको 3-4 ग्राम सोने की जरूरत पड़ेगी। इसलिए आप चाहें तो रोजाना में पहनने के हिसाब से टॉप्स बनवा लें। **नोज रिंग :** पारंपरिक नथ तो महंगी आती है, लेकिन कम बजट में आप अपने लिए नोज रिंग बनवा सकती हैं। रोजाना में पहनने के लिए खूबसूरत और क्यूट सी नोज रिंग बनवाकर अपना खूबसूरत अंदाज दिखाएं। न सिर्फ गोल्ड नोज रिंग आप चाहें तो नाक में पहनने के लिए डायमंड नोज रिंग भी खरीद सकती हैं। **अंगूठी:** अंगूठी एक ऐसा विकल्प है, जो शायद ही किसी महिला को पसंद नहीं होगा। अंगूठी भी 1 से 2 ग्राम सोने में आसानी से बन जाएगी। इसलिए आप चाहें तो कम सोने में अपने लिए खूबसूरत सी अंगूठी बनवा लें। डायमंड की अंगूठी तो महंगी आती है, लेकिन गोल्ड में नग जड़ी हुई अंगूठी आपके लुक को पूरी तरह से बदल देगी।

देव दीपावली, दीपोत्सव और पटाखों का नजारा, इन 5 शहरों में देखिए दिवाली का असली जलवा

दिवाली यानी अंधकार पर प्रकाश का विजय का पर्व। ये वह पर्व है जिसकी रोशनी से पूरा भारत एक साथ जगमगा उठता है। साल 2025 में दिवाली 20 अक्तूबर को मनाई जा रही है। इस दौरान पूरे देश रोशन हो जाएगा। लेकिन कुछ जगहों पर रोशनी का पर्व बेहद खास नजारे वाला होता है। यहां की जगमगाहट मनमोहक होती है। उत्साह बहुत अधिक और पर्व की रोनक देखते ही बनती है। ऐसे में अगर आप दिवाली अपने परिवार, पार्टनर या दोस्तों के साथ यादगार तरीके से मनाना चाहते हैं तो ये पर्व मौका दे रहा है कि आप एक ट्रिप प्लान करें। शनिवार 18 अक्तूबर से लेकर 26 अक्तूबर तक आपको एक सप्ताह लॉन्ग हॉलीडे मिल रहा है। बीच में दो से तीन दिन की छुट्टी के लिए दफ्तर में अप्लाई कर दें। बाकि वीकेंड और दीपावली की छुट्टियां मिलाकर पूरे एक हफ्ते में कहीं भी घूमने जा सकते हैं।

अयोध्या

यूपी का अयोध्या दीपोत्सव की दिव्य नगरी है। अयोध्या प्रभु श्रीराम की जन्मभूमि है। दीपावली पर यहां रामजन्मभूमि मंदिर, हनुमानगढ़ी, कनक भवन और पूरी नगरी ही दीयों से दमक उठती है। हर साल यहाँ सारयू घाट पर लाखों दीए जलाकर

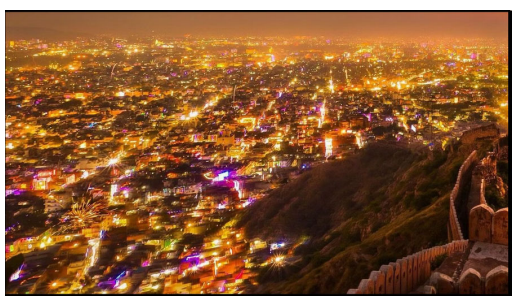

विश्व रिकॉर्ड बनाया जाता है। अगर आप असली राम की दिवाली देखना चाहते हैं, तो अयोध्या आपकी पहली मंज़िल होनी चाहिए।

वाराणसी

घाटों पर रोशनी, दीपोत्सव और आरती का जिक्र हो तो वाराणसी को मत भूल जाइएगा। वाराणसी की दिवाली दुनिया की सबसे आध्यात्मिक और दृश्य रूप से भव्य मानी जाती है। गंगा आरती के समय जब दीप जलते हैं और आसमान में पटाखों की झिलमिलाहट होती है, तो शहर सच में ह्लकायनात का उत्सवह्व लगता है। यहाँ दिवाली के बाद देव दीपावली भी होती है। मान्यता है कि इस दिन देवता भी दिवाली मनाने धरती पर वाराणसी आते हैं।

जयपुर

गुलाबी शहर की सुनहरी रोशनी दीपावली में देखते ही बनती है। दिवाली पर जयपुर की सड़कों, हवेलियों, बाजारों और महलों की सजावट इतनी खूबसूरत होती है कि लगता है पूरा शहर शादी के जोड़े में है। टकरोड, जोहरी बाजार और हवा महल के आसपास की लाइटिंग देखने लायक होती है। राजस्थान टूरिज्म बोर्ड यहां लाइटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित करता है जिसमें पूरा शहर हिस्सा लेता है।

अमृतसर

दिवाली के दिन स्वर्ण मंदिर का प्रतिबिंब पानी में झिलमिलाते दीपों के साथ किसी जादू से कम नहीं लगता। यहाँ का पटाखा शो, कीर्तन और लंगर अनुभव को आत्मा तक छू लेते हैं। अगर आप दिवाली को शांति और श्रद्धा के साथ जीना चाहते हैं तो अमृतसर एक आदर्श विकल्प है।

वर्ल्ड कप में 20 साल बाद भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत

एजेंसी

नई दिल्ली। आईसीसी महिला वर्ल्ड कप 2025 में 5 अक्तूबर, रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत होगी। इस टूनार्मेंट में भारतीय टीम ने जहां श्रीलंका को हराकर अपना विजयी आगाज किया वहीं पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। वहीं अब कोलंबो में इस हाईवोल्टेज मुकाबले का हर किसी को इंतजार है। खास बात ये है कि महिला वनडे वर्ल्ड कप में ये सिर्फ दूसरा मौका है जब दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। आखिरी बार 2005 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें आपस में भिड़ी थीं। वहीं वनडे क्रिकेट में भारतीय महिला टीम पाकिस्तान के खिलाफ कभी नहीं हारी है। दोनों टीमें कुल 11 बार वनडे मुकाबले में भिड़ी हैं। सभी 11 मैच भारतीय महिला टीम ने अपने नाम किए हैं। आखिरी बार दोनों टीमें 2022 में वनडे मैच खेलने के लिए आमने-सामने थीं। उस मैच में भारत ने पड़ोसी देश को 107 रनों से हराकर करारी शिकस्त दी थी। वहीं वर्ल्ड कप की बात करें तो भारतीय टीम ने 2005 में एकमात्र वर्ल्ड कप मुकाबला पाकिस्तान से

खेला है। कराची में हुए उस मुकाबले में भारत ने 193 रनों से बेहतरीन जीत दर्ज की थी। अब वर्ल्ड कप में दूसरी बार और ओवरऑल वनडे में 12वीं बार दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। भारतीय टीम की बात करें तो टीम इस समय बेहतरीन फॉर्म में है। हालांकि, पहले मैच में स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर का बल्ला नहीं चला था। लेकिन वर्ल्ड कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया जैसे खतरनाक टीम को भारत ने नाकों चने चबवा दिए थे। स्मृति ने बैक टू बैक दो ताबड़तोड़ ऐतिहासिक शतकीय पारियां खेली थीं। जबकि पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश के हाथों शर्मनाक हार झेलकर आई थी। पाकिस्तान की टीम पहले मुकाबले में महज 129 रन पर ही ढेर हो गई थी। ऐसे में भारतीय टीम का पलड़ा इस मुकाबले में बिल्कुल भारी रहने का आसार हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, शुभमन गिल बने कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया है। ये ऐलान टी20 और वनडे सीरीज के लिए किया गया है। टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले चुके दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली वनडे टीम का हिस्सा हैं। जबकि रोहित शर्मा से वनडे की कप्तानी छीनकर शुभमन गिल को वनडे टीम का कप्तान बनाया गया है। वहीं गिल अब टेस्ट के बाद वनडे के कप्तान भी बनाए गए हैं जबकि टी20 क्रिकेट में वह टीम के उपकप्तान बनाए गए हैं। बता दें कि, रोहित शर्मा से वनडे की कप्तान छीनकर शुभमन गिल को वनडे का कप्तान बनाने के पीछे वनडे वर्ल्ड कप 2027 कारण है। रोहित शर्मा ने 56 वनडे मैचों में भारत कप्तानी की, जिसमें दमदार रिकॉर्ड रहा है। उनकी अगुवाई में भारतीय टीम ने 42 वनडे जीते और सिर्फ 12 बार हार झेली है। उनके नेतृत्व में भारत ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचा था। जहां ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार मिली। रोहित और कोहली 9 महीने बाद भारत के लिए खेलेंगे। दोनों पिछली बार मार्च में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में खेले थे। रोहित की अगुवाई में भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। फिलहाल, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीमित ओवर सीरीज की शुरूआत 19 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। भारत को ऑस्ट्रेलिया में तीन वनडे और पांच टी20 मैच खेलने हैं। टी20 सीरीज का आगाज 29 अक्टूबर से होगा। वहीं जसप्रीत बुमराह को वनडे सीरीज से आराम दिया गया है जबकि टी20 सीरीज में उतरेंगे। दूसरी तरफ हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण भारतीय स्क्वॉड में शामिल नहीं है। उन्हें एशिया कप के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या हुई थी। वहीं विकेटकीपर ऋषभ पंत अनफिट होने के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जाएंगे। इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज के दौरान वह चोटिल हो गए थे। भारतीय वनडे टीम- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल विकेटकीपर, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हार्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल। भारतीय टी20 टीम- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

अहमदाबाद टेस्ट में भारत ने वेस्टइंडीज को 140 रनों से चटाई धूल, जडेजा ने बल्ले के बाद गेंद से बरपाया कहर

एजेंसी

नई दिल्ली। अहमदाबाद में खेले गए भारत और वेस्टइंडीज के बीच पहले टेस्ट में टीम इंडिया ने 140 रन से विजयी प्राप्त की। भारत द्वारा पहली पारी में हासिल की गई 286 रन की बढ़त के बाद वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में 146 रन ही बना पाई और ढेर हो गई। इसके साथ ही भारत ने दो मैचों की सीरीज में 1-0 की अहम बढ़त बना ली है। वेस्टइंडीज ने मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 162 रन बनाए। इस दौरान भारतीय गेंदबाजों की तरफ से बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला। मोहम्मद सिराज ने सबसे ज्यादा 4 विकेट अपने नाम किए। वहीं जवाब में भारत ने केएल राहुल (100), ध्रुव जुरेल (125) और रवींद्र जडेजा (104*) के शतकों की बदौलत 5 विकेट के नुकसान पर 448 रन बनाते हुए 286 रन की बढ़त हासिल की। इसके बाद तीसरे दिन वेस्टइंडीज की दूसरी पारी भी केवल 146 रन पर सिमट गई। भारत से जडेजा ने सबसे ज्यादा 4 विकेट झटके। सिराज ने इस मैच में 61 रन देकर 7 विकेट अपने नाम किए। ये उनका भारतीय सरजमीं पर मैच में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। उन्होंने वेस्टइंडीज की पहली पारी में तेजनाराण चंद्रपॉल (0), एलिन ऐथानेज (12), ब्रैंडन किंग (13) और कप्तान रोस्टन चेज (24) को आउट कर 40 रन देते हुए ये 4 विकेट लिए थे। इसी तरह उन्होंने दूसरी पारी में चंद्रपॉल (8), जस्टिन ग्रीव्स (25) और जोमेल वारिकन (0) को आउट करते हुए 31 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए।

नीतीश कुमार रेड्डी को पहली बार वनडे टीम में मिली जगह, रविंद्र जडेजा को किया बाहर? जानें अजीत अगरकर ने क्या जवाब दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे

सीरीज के लिए भारतीय टीम में नीतीश कुमार रेड्डी को मौका मिला है। ये पहली बार है जब नीतीश को वनडे टीम में शामिल किया गया है। हालांकि, टीम के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को टीम में शामिल नहीं किया गया है। बता दें कि, ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत की वनडे और टी20 टीम का ऐलान हुआ है। जहां भारतीय टीम पहले 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी और फिर 5 मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में रविंद्र जडेजा को जगह नहीं दी गई तो वहीं नीतीश कुमार रेड्डी को वनडे टीम में क्यों जगह दी गई इसके बारे में चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने बताया। जडेजा के बारे में अगरकर ने कहा कि वह भारत की वनडे स्कीम ऑफ थिंग्स में हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की कंडीशन को देखते हुए उन्हें फिलहाल टीम में जगह नहीं दी गई है। अगरकर ने कहा कि हम वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तरफ भी देख रहे हैं। टीम में अभी अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर भी हैं जिन्हें हम भविष्य के खिलाड़ी के रूप में देख रहे हैं इसकी वजह से जडेजा के नाम पर विचार नहीं किया है। नितीश कुमार रेड्डी के बारे में अजीत अगरकर ने कहा कि हमने उन्हें टेस्ट क्रिकेट में देखा है और हम उन्हें व्हाइट बॉल क्रिकेट में भी देखना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय वनडे टीम में हार्दिक पंड्या को इंजरी के कारण शामिल नहीं किया गया है। उनकी जगह नीतीश कुमार रेड्डी को टीम में मौका मिला है। जो टीम के लिए एक बेहतर विकल्प बनकर उभरेंगे। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भी नीतीश कुमार रेड्डी को मौका मिला है।

सेबी ने आईपीओ राशि में हेराफेरी के लिए सिनॉप्टिक्स टेक, उसके प्रवर्तकों पर लगाया प्रतिबंध

एजेंसी

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने सिनॉप्टिक्स टेक्नोलॉजीज और उसके प्रवर्तकों पर आईपीओ की राशि में कथित

हेराफेरी के मामले में जांच पूरी होने तक प्रतिभूति बाजार में कारोबार करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। कंपनी के प्रवर्तक जतिन शाह, जगमोहन मणिलाल शाह और जानवी जतिन शाह को भी सेबी ने प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश सी वार्ष्णेय ने आदेश में कहा, मैं... छह मई, 2025 के अंतरिम आदेश के माध्यम से जारी निदेशों को बरकरार रखता हूं। इस वर्ष मई में सेबी ने एक अंतरिम आदेश पारित किया था और आईपीओ की आय की हेराफेरी के आरोपों के बाद सिनॉप्टिक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एसटीएल) और उसके प्रवर्तकों को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। अंतरिम आदेश में सेबी ने कहा, जांच से पता चला है कि कंपनी (एसटीएल) और प्रमुख प्रबंधक एफओसीएल (फर्स्ट ओवरसीज कैपिटल लिमिटेड) ने आईपीओ से जुटाई गई धनराशि को हड़पने की एक सुनियोजित योजना बनाई थी। जांच में यह पाया गया कि कंपनी ने निर्गम प्रबंधन शुल्क, बिक्री कमीशन, रजिस्ट्रार शुल्क सहित अन्य आईपीओ संबंधित खर्चों के नाम पर लगभग 19 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए, जो कि कंपनी के दस्तावेजों में बताए गए 80 लाख रुपये से बहुत अधिक हैं। यह राशि सिनॉप्टिक्स द्वारा आईपीओ के जरिए जुटाई गई कुल राशि का करीब 54 प्रतिशत है। आदेश के अनुसार, यह राशि 35.08 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों के नए निर्गम के माध्यम से सिनॉप्टिक्स द्वारा जुटाई गई कुल आय का 54 प्रतिशत से अधिक और कुल निर्गम आकार (54.04 करोड़ रुपये) का 35 प्रतिशत है। सेबी ने एफओसीएल को निर्देश दिया कि वह नियामक के अगले निर्देश तक प्रतिभूति बाजार में मर्चेंट बैंकिंग गतिविधियों से संबंधित कोई भी नया कार्य न करे। यह अंतरिम आदेश सेबी द्वारा आईपीओ बंद होने के बाद बोली प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली शिकायतें प्राप्त होने पर मामले की जांच के बाद आया।

प्रधानमंत्री मोदी आठ अक्टूबर को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आठ अक्टूबर को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। हवाई अड्डे को 30 सितंबर को विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए से हवाई अड्डा लाइसेंस मिला। यह परियोजना नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे द्वारा कई चरणों में विकसित की जा रही है। इसमें अदाणी समूह की 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है। बाकी 26 प्रतिशत हिस्सा महाराष्ट्र सरकार के भूमि विकास प्राधिकरण सिडको के पास है।

संक्षिप्त समाचार

आठ को बरेली होते हुए रामपुर जायेंगे अखिलेश

लखनऊ (संवाददाता)। बरेली में लाठीचार्ज की घटना के बाद समाजवादी पार्टी ने राजनीतिक मोर्चा संभाल लिया है। पार्टी अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 8 अक्तूबर को बरेली होते हुए रामपुर जाएंगे, जहां वे रास्ते में लाठीचार्ज से प्रभावित मुस्लिम परिवारों से मिलकर उनका हालचाल जानेंगे और घटना की जानकारी लेंगे। रामपुर में उनका पहले से तय कार्यक्रम है, जहां वे समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खां से मुलाकात करेंगे। अखिलेश यादव सड़क मार्ग से सीतापुर होते हुए रामपुर जाएंगे और रास्ते में बरेली में कुछ समय के लिए रुकेंगे। वहां वे पार्टी के स्थानीय नेताओं और कार्यकताओं से बातचीत करेंगे। हालिया घटनाओं को लेकर पार्टी की रणनीति पर चर्चा करेंगे।

अखिलेश यादव का बरेली में प्रतिनिधिमंडल भेजना नौटंकी: केशव

लखनऊ (संवाददाता)। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सपा डेलिगेशन को बरेली भेजने के फैसले को नौटंकी बताया है।डिप्टी सीएम केशव प्रसाद ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, सपा बहादुर अखिलेश यादव का बरेली में प्रतिनिधिमंडल भेजना नौटंकी और बचकाना कदम है। सपा की पहचान मुस्लिम तुष्टिकरण की गंदी राजनीति से है। विधानसभा चुनाव 2027 में सपा की दुर्दशा और सफाया होना तय है। यूपी दंगा मुक्त, सुशासन व कघनून व्यवस्था हमारी पहचान और उपलब्धि है। सपाइयों को यही रास नहीं आ रहा।

लोकसभा-विधानसभा चुनाव लड़े, नहीं दिया हिसाब

यूपी 127 राजनीतिक दलों पर चुनाव आयोग लेगा एक्शन

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पंजीकृत 127 और दलों का अस्तित्व खतरे में है। यह वह दल हैं, जिन्होंने पिछले 6 सालों में विधानसभा और लोकसभा चुनाव तो लड़ा लेकिन खर्च का ब्योरा नहीं दिया है। आयोग ने इन सभी दलों को नोटिस जारी कर शुक्रवार तक लिखित रूप से अपना पक्ष एवं दस्तावेज मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध करवाने को कहा था। अब 6 से 9 अक्टूबर तक इन दलों के प्रतिनिधियों को उपस्थित रहकर व्यक्तिगत सुनवाई का भी मौका दिया जाएगा। दलवार शेड्यूल तय कर दिया गया है। जवाब के आधार पर इसका भविष्य तय होगा। नोटिस पाने वाले 127 दलों में लोकदल, नागरिक एकता पार्टी, आजाद समाज पार्टी भी शामिल है। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार विधानसभा चुनाव खत्म होने के 75 दिनों के भीतर और लोकसभा चुनाव खत्म होने के 90 दिनों के भीतर निर्वाचन व्यय का ब्यौरा दिया जाना अनिवार्य है। इन दलों ने पिछले 3 वित्तीय वर्षों के सालाना ऑडिटेड का विवरण आयोग को उपलब्ध नहीं कराया था। अकेले लखनऊ के यह दल अखंड राष्ट्रवादी पार्टी, आल इंडिया राजीव कांग्रेस पार्टी, एकलव्य समाज पार्टी, किशोर राज पार्टी, लोकदल, लोकगठबंधन पार्टी, मानवतावादी क्रांति दल, मनुवादी पार्टी, नागरिक एकता पार्टी, नैतिक पार्टी, प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया, राष्ट्रवादी श्रमजीवी दल, राष्ट्रवादी क्रांतिकारी समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय मतदाता पार्टी, राष्ट्रीय राष्ट्रवादी पार्टी, सबका दल यूनाइटेड, समाज सेवक पार्टी, सर्वोदय भारत पार्टी, सोशलिस्ट पार्टी इंडिया, यूपी रिपब्लिकन पार्टी लपेट में आ गए हैं।

इलेक्ट्रॉनिक दुकान में आग, लाखों रुपए का सामान जला

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के बंथरा इलाके में शनिवार सुबह एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान में भीषण आग लग गई। इस घटना में दुकान के अंदर रखा लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। यह घटना कानपुर रोड किनारे स्थित बालाजी इलेक्ट्रॉनिक दुकान में हुई। दुकान मालिक वीरेंद्र गुप्ता रोज की तरह शुक्रवार शाम दुकान बंद कर घर चले गए थे। शनिवार सुबह करीब 5.30 बजे दुकान के पास रहने वाले लोगों ने शटर से धुआं निकलते देखा और वीरेंद्र को इसकी सूचना दी। वीरेंद्र ने जब दुकान का शटर खोला तो अंदर आग की तेज लपटें उठ रही थीं। आसपास के लोगों की मदद से बाल्टियों से पानी फेंककर आग बुझाने की कोशिश की गई, लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। इसके बाद फायर कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। सरोजनी नगर फायर स्टेशन से पहुंची एक दमकल गाड़ी ने कुछ देर में आग पर नियंत्रण पा लिया। सरोजनी नगर के एफएसओ धर्मपाल सिंह के अनुसार, शुरूआती जांच में आग लगने का कारण विद्युत शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। दुकान मालिक वीरेंद्र गुप्ता ने बताया कि इस आगजनी में मरम्मत के लिए रखे ग्राहकों के सामान और नए स्टॉक सहित लगभग 6 लाख रुपए का इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर नष्ट हो गया। वीरेंद्र गुप्ता की यह दुकान जुनाब गंज स्थित उनके घर से लगभग डेढ़ सौ मीटर दूर है।

शेख अब्दुल कादिर जीलानी की बुजुर्गी को पूरी दुनिया मानती है: खालिद रशीद

लखनऊ (संवाददाता)। सूफियाऐ क्राम और बुजुरगाने दीन खास कर गौस आजम शेख अब्दुल कादिर जीलानी रह॰ की शिक्षा को फैलाने के लिए समर्पित शेख अब्दुल कादिर जीलानी फाउण्डेशन शिव नगर, रूप पुर, खदरा के अर्न्तगत यौमे गौसे आजम मनाया गया। इस अवसर पर उलामा व मशाएख के प्रसिद्ध परिवार फरंगी महल के विख्यात आलिम मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली इमाम ईदगाह लखनऊ ने हज़रत गौसे पाक को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि महबूब-ए-सुबहानी हजरत शेख अब्दुल कादिर जीलानी रह॰ जैसे सूफी और आलिम की महानता को सारी दुनिया मानती है।

यूपी में जंगलराज, संवैधानिक मूल्यों का पालन नहीं करती राज्य सरकार: इकरा

लखनऊ (संवाददाता)। बरेली में पिछले हफ्ते शुक्रवार की नमाज के बाद भड़की हिंसा को लेकर यूपी की सियासत गर्म हो गई है। नेता प्रतिपक्ष विधानसभा माता प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के 14 सांसदों और विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल बरेली का दौरा करने वाला था, लेकिन सपा डेलिगेशन को बरेली जाने की अनुमति नहीं दी गयी है। इस पर सपा सांसद इकरा हसन ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है।सपा सांसद हरेंद्र सिंह मलिक और इकरा हसन आज शनिवार को बरेली के लिए रवाना हुए। इस दौरान गाजीपुर बॉर्डर पर पुलिस की ओर से रोके जाने पर सपा सांसद इकरा हसन ने कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा कि हमें किस कानून के तहत रोका जा रहा है। यूपी में जंगलराज है और राज्य सरकार संवैधानिक मूल्यों का पालन नहीं कर रही है। मैं जनप्रतिनिधि हूँ और लोगों का दर्द बाँटने बरेली जा रही थी, लेकिन हमें रोक दिया गया। हम प्रशासन से अनुरोध करते हैं कि वह हमारे साथ चले। हम कुछ भी छिपाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हमारा कोई एजेंडा नहीं , पता नहीं यूपी सरकार अपनी कौन सी करतूत छुपाना चाहती है कि हमें बरेली नहीं जाने दे रही है।उधर लखनऊ में पुलिस की ओर से रोके जाने पर विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडे ने कहा, श्हमें जाने से रोका जा रहा है।यह कोई सांप्रदायिक दंगा नहीं था। उन्होंने खुद कानून-व्यवस्था बिगाड़ दी। वे पक्षपाती हो गए हैं। अगर दो समुदायों में झड़प होती तो मैं मानता कि कोई गंभीर घटना घटी है। जब हमने पुलिस से पूछा, तो उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि घटना के बाद बड़े पैमाने पर अन्याय हुआ। एक व्यक्ति पर आरोप लगाया गया है और चार को गिरफ्तार किया जा रहा है। समुदाय डरा हुआ है। वे प्रशासन और पुलिस से डरे हुए हैं। उनका दूसरे समुदाय से कोई झगड़ा नहीं है।माता प्रसाद पाण्डेय को शनिवार को सुबह लखनऊ में उनके निवास अवध विहार कालोनी में हाउस अरेस्ट किया गया है। उनके आवास के बाहर सुरक्षा बल तैनात हो गई। हाउस अरेस्ट से नाराज माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि बरेली में बेगुनाह लोगों को जेल भेजने की सूचना है। उन्होंने कहा कि हमको रोकने के लिए डीएम को नोटिस देनी चाहिए थी। हमें वहां पार्टी कार्यकताओं से जानकारी लेनी थी। पुलिस-प्रशासन हमें पता नहीं क्यों रोकते हैं। रोकने का मतलब इनके अवैधानिक काम देखेंगे। हम इनके सारे अवैधानिक काम उजागर करेंगे। उन्होंने कहा कि हमको दरोगा चिट्ठी लिखता है। कलेक्टर लिखता तो मान भी लेते,लेकिन पीजीआई थाने का दरोगा मुझे चिट्ठी लिखता है कि आप नहीं जा सकते। आप अंडर अरेस्ट हैं। इसके बाद बरेली के डीएम की चिट्ठी आई।

जानकीपुरम विस्तार कॉलोनी की जनता की मांग : सामुदायिक केंद्र का निर्माण

लखनऊ (संवाददाता)। जानकीपुरम विस्तार कॉलोनी को बसाए हुए लगभग 30 वर्ष से अधिक का समय बीत चुका है, लेकिन आज भी यहां के निवासियों को सामुदायिक केंद्र जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित रहना पड़ रहा है। आमतौर पर किसी भी नई कॉलोनी के निर्माण के समय सड़क, नाली, मकान, दुकान, चिकित्सालय, पोस्ट ऑफिस, सब्जी मंडी, बिजली कार्यालय, जल संस्थान कार्यालय और सामुदायिक केंद्र जैसी सुविधाएं जनता के हित में उपलब्ध कराई जाती हैं। परंतु विडंबना यह है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा जानकीपुरम विस्तार की विशाल आबादी को आज तक सामुदायिक केंद्र की सुविधा प्रदान नहीं की गई। स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्राधिकरण के नक्शे में सामुदायिक केंद्र हेतु भूमि सुरक्षित रखी गई थी, किंतु 30 वर्षों के उपरांत भी वहां निर्माण कार्य नहीं कराया गया। यह स्थिति जनहित में अत्यंत चिंताजनक एवं प्रश्नवाचक है। गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों के लिए यह समस्या और गंभीर है, क्योंकि वे अपने पारिवारिक कार्यक्रमों कृ जैसे जन्मदिन, विवाह, मांगलिक व सांस्कृतिक आयोजनों कृ के लिए महंगे होटलों का खर्च वहन नहीं कर सकते।

डीएम सर, प्रिंसिपल मैडम हमें गालियां देती हैं

तहसील में डीएम से शिकायत करने पहुंचीं बच्चियां

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ डीएम के पास कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की कई बच्चियां शिकायत लेकर पहुंच गईं। उन्होंने बताया कि विद्यालय में रात में कई आदमी आते हैं। उधर देखने पर प्रिंसिपल हम बच्चियों को गालियां देती हैं। धमकी देती हैं कि ये बात किसी को बताना नहीं। अगर बताया तो मारकर फेंक देंगे। कोई पता भी नहीं पाएगा। जिलाधिकारी विशाख जी. के सामने बच्चियां मोहनलालगंज तहसील में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस पर शिकायत की। स्कूल की बच्चियों ने डीएम को लिखित शिकायत में बताया कि विद्यालय की प्रिंसिपल और वार्डन उनसे झाड़ू-पोंछा लगवाती हैं। साथ ही बाथरूम साफ करवाती हैं। रात में 5-6 गाड़ियों से विद्यालय में आदमी आते हैं। किसी बच्ची ने अगर उधर देख लिया तो उसकी बेरहमी से पिटाई कर मैडम गाली देती हैं। छात्रों का कहना था कि उन्हें सही से भोजन भी नहीं मिलता है। बच्चियों ने कहा है कि अब वह स्कूल नहीं जाएंगी। बच्चियां नवरात्रि और दशहरे की छुट्टियों पर घर पहुंचीं तो अभिभावकों से पूरी बात बताई। उन्हें अपनी चोटें भी दिखाईं। डीएम को दिए शिकायती पत्र में ध्अभिभावकों ने सिग्नेचर किए हैं। इसमें बताया है कि बच्चों को यूनिफॉर्म और अन्य जरूरी सामान वे खुद दिलाते हैं। अभिभावकों ने यह भी बताया है कि प्रिंसिपल उनकी बच्चियों को जातिसूचक गालियां देती हैं। कहती हैं कि नीची जाति को हो नीची ही रहोगी। ब्राह्मण, यादव बनने की कोशिश मत करो। अभिभावकों का कहना है कि वे बच्चों को तब तक स्कूल नहीं भेजेंगे जब तक की प्रधानाचार्य और वार्डन निलंबित नहीं किए जाते। नगराम के अचिंत कुमार भी तहसील पहुंचे। उन्होंने जिलाधिकारी से कहा उनकी श्याम प्यारी के साथ साझे की जमीन है। उसने 1000 वर्ग फीट भूमि पर कब्जा कर मकान खड़ा कर लिया है। शेष भूमि पर कब्जा करने की कोशिश में लगी हुई है। अचिंत जब भी अपने खेत के जुताई-बुवाई करने जाता है तो लड़ाई पर उतर आती है। उसने अचिंत के खिलाफ कई झूठे मुकदमे भी लगवा दिए हैं। पुरसैनी के कई किसान एक साथ फैक्ट्री मालिक के खिलाफ शिकायत लेकर पहुंचे। उनकी शिकायत के अनुसार, मनोज जायसवाल की प्लाइवुड की फैक्ट्री है जो कि नियम के खिलाफ नगर निगम सीमा में संचालित की जा रही है। इस प्लाईवुड फैक्ट्री से केमिकल का गंदा पानी 24 घंटे बहता रहता है। यह पानी खेतों में जाता है जिससे खेती नष्ट हो रही है। फैक्ट्री की ओर से जबरन एक चैड़ी नाली खोद दी गई है। खेत में लगे खंभे और तारों को हटा कर रात में नो एंट्री के ट्रक किसानों के प्लॉट में घुस जाते हैं।

सहारा के कर्मचारियों ने गायों को छुट्टा छोड़ा, बिजली-पानी न आने से चारा खत्म हुआ

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में सहारा शहर में तीसरे दिन कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन जारी है। लगातार तीसरे दिन परिसर का बिजली-पानी बंद है। इसके चलते मवेशियों का चारा खत्म हो गया है। मवेशी भी अब बेसहारा होकर सहारा शहर की सड़क सहित अन्य जगहों पर घूम रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि मैनेजमेंट ने शुक्रवार को एसीपी कार्यालय में बुलाने की कोशिश की थी, लेकिन यहां पर हम लोग की यह बात हुई थी कि हम वहां पर नहीं जाएंगे। प्रबंधन के लोग बातचीत करने के लिए परिसर में आएं। इस दौरान सहारा शहर के लोगों से बातचीत करने को तैयार हुए हैं। इसने चार से पांच लोगों के प्रतिनिधि बात करेंगे। राजेंद्र प्रसाद कनौजिया ने कहा कि सैलरी नहीं मिल रही है। फेमिली में बहुत दिक्कत है। 2014 से सहारा इंडिया ने पीएफ नहीं जमा किया। हमारे परिवार को और संस्था के लोगों को बहुत परेशानी हो रही है। इसका समाधान होना चाहिए। हम लोग लड़ाई झगड़ा नहीं करना चाहते। हमारा बकाया दिया जाए, हिसाब किया जाए। 1995 से नौकरी कर रहा हूं, 2014 तक स्थिति ठीक थी। इसके बाद सब कुछ खराब हो गया। साल भर में तीन बार सैलरी मिल रही है। 30 से अधिक सालों तक नौकरी किया है। अब हम लोग कहां जाएंगे क्या करेंगे कोई सुनने वाला नहीं है। वहीं, संतोष कुमार ने बताया कि हमारा बकाया वेतन दिया जाए पीएफ सहित अन्य चीज भी दी जाए मुख्यमंत्री तक हम लोगों की मांग पहुंचाई जाए। आनंद प्रताप लोधी ने कहा कि 1 अप्रैल 2011 से रेस्टोरेंट में काम कर रहा हूं।

सपा जिला कार्यालय में मासिक बैठक सम्पन्न बसपा के कई नेताओं ने सपा का थामा दामन

गोरखपुर। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक बेतियाहाता स्थित पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसका संचालन जिला महासचिव रामनाथ यादव ने किया। बैठक में जिलाध्यक्ष गौतम ने कहा कि वी.एल.ए. का गठन निर्वाचन आयोग और पार्टी नेतृत्व के निदेर्शानुसार किया जा रहा है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय को हाउस अरेस्ट किए जाने की निंदा करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र की हत्या और प्रशासन की तानाशाही है। इस मौके पर बसपा छोड़कर सपा में शामिल हुए पूर्व जिलाध्यक्ष लालजी भारती, पूर्व प्रत्याशी विद्यासागर उर्फ छोटू, वरिष्ठ नेता राजकुमार जौहर और शेषनाथ गुप्ता का पार्टी नेताओं ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। बैठक में नव-मनोनित उपाध्यक्ष विजय अग्रहरि और कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद शहजादे को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अवधेश यादव, डॉ. संजय कुमार, मिर्जा कदीर बेग, अभिमन्यु यादव, विनय यादव, मुन्नीलाल यादव सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बारा तहसील समाधान दिवस में ग्रामीणों की समस्याएं सुनी गईं, कई मामलों का हुआ मौके पर निस्तारण

प्रयागराज। धर्मनगरी प्रयागराज के यमुनापार स्थित तहसील बारा सभागार में शनिवार को आयोजित समाधान दिवस में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। अधिकारियों ने फरियादियों की शिकायतें गंभीरता से सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया। समाधान दिवस में एसडीएम बारा प्रेरणा गौतम, सहायक पुलिस आयुक्त कुंजलता, एडीएम सप्लाई विजयपाल शर्मा और तहसीलदार रोशनी सोलंकी मौजूद रहीं। अधिकारियों ने संयुक्त रूप से जनता की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के कर्मचारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। मुख्य शिकायतों में भूमि विवाद, बिजली बिल की गलत वसूली, आवास योजना से वंचित पात्र परिवार, राशन कार्ड, पेंशन, किसानों को खाद-बीज वितरण में अनियमितता और सड़क-नाली निर्माण से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं। ग्राम पिपरांव की विधवा सविता बिंद ने आवास न मिलने की शिकायत की, जिस पर एसडीएम ने तत्काल जांच के आदेश दिए। छात्र अभिनव (कक्षा 12) ने छात्रवृत्ति न मिलने की बात कही, तो अधिकारियों ने शिक्षा विभाग को शीघ्र कार्रवाई करने को कहा। वहीं, वृद्ध किसान शंकरलाल की जमीन कब्जे की शिकायत पर राजस्व निरीक्षक को मौके पर जाकर जांच करने और कार्रवाई के निर्देश दिए गए। एडीएम सप्लाई विजयपाल शर्मा ने कहा कि समाधान दिवस का उद्देश्य जनता को समय पर न्याय दिलाना है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी में रहेंगे

स्वच्छता सम्मान समारोह, डीएसआर कॉन्क्लेव और धार्मिक स्थलों पर करेंगे कार्यक्रमों में शामिल

रिपोर्ट-अमित वर्मा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 6 अक्तूबर को दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री का यह दौरा प्रशासनिक और धार्मिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी अपने दौरे के पहले दिन चांदपुर स्थित अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (ईरी) में आयोजित डीएसआर कॉन्क्लेव के समापन समारोह को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में कृषि नवाचार और धान उत्पादन तकनीक पर चर्चा की जाएगी। इसके पूर्व वे पिपलानी कटरा स्थित सरोजा पैलेस में आयोजित स्वच्छता सम्मान समारोह में शामिल होकर सफाई कर्मियों को सम्मानित करेंगे। मुख्यमंत्री इसके बाद अन्नपूर्णा मंदिर ट्रस्ट के शिवपुर स्थित अन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्य आश्रम में एक धार्मिक कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे। शाम को मुख्यमंत्री सर्किट हाउस में जिले के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करेंगे, साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर और काल भैरव मंदिर में दर्शन-पूजन भी करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रात्रि विश्राम वाराणसी में करेंगे और अगले दिन सुबह गोरखपुर के लिए रवाना होंगे। इस दौरान प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर पूरी तैयारी कर ली है।

विधानसभा 264-बारा में आने वाले 6 अक्टूबर को नेक्स्ट जनरेशन G.S.T. रिफॉर्म पर व्यापारी सम्मेलन

भारतीय जनता पार्टी जिला प्रयागराज यमुनापार करेगी आयोजन

रिपोर्टर-मनीष सुसारी, प्रयागराज

प्रयागराज। आने वाले 6 अक्टूबर 2025 को विधानसभा 264-बारा में नेक्स्ट जनरेशन G.S.T. रिफॉर्म विषय पर एक भव्य व्यापारी सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय जनता पार्टी जिला प्रयागराज यमुनापार द्वारा किया जा रहा है। इस सम्मेलन में घूरपुर, जारी, कौंधियारा, जसरा, नारीबारी, लालापुर, शिवराजपुर और शंकरगढ़ क्षेत्र के सम्मानित व्यापारीगण, भाजपा जिला पदाधिकारी, पूर्व एवं वर्तमान प्रदेश, क्षेत्र, जिला पदाधिकारी, विभाग एवं प्रकोष्ठ संयोजक, मोर्चों के जिलाध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी, जिला पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष, बूथ प्रभारी एवं पन्ना प्रमुखों की उपस्थिति अनिवार्य एवं वंदनीय मानी गई है। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि इस व्यापारी सम्मेलन का उद्देश्य नई जी.एस.टी. सुधार नीति (Next Generation GST Reform) की जानकारी देना है, ताकि व्यापारी वर्ग को कर सुधारों से जोड़कर व्यवसायिक सरलता और पारदर्शिता को बढ़ावा दिया जा सके। सम्मेलन में व्यापारियों की समस्याओं, सुझावों और शासन की नीतियों पर खुलकर चर्चा की जाएगी, जिससे सरकार और व्यापारी समुदाय के बीच मजबूत संवाद स्थापित हो सके।

कार्य में लापरवाही पर प्रयागराज के डीएम सख्त, कई अधिकारियों व कर्मचारियों पर गिरी गाज

सीडीओ, सीआरओ, सभी एसडीएम को नोटिस -लेखपालों को मिली प्रतिकूल प्रविष्टि

रिपोर्ट-मनीष सुसारी, प्रयागराज

प्रयागराज। शासन के निदेर्शों के अनुपालन और जन शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही व उदासीनता बरतने पर प्रयागराज के जिलाधिकारी ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी ने सीडीओ, सीआरओ, सभी एसडीएम, साथ ही एडीएम, डीपीआरओ, उप कृषि निदेशक सहित कई अन्य अधिकारियों को ह्रकारण बताओ नोटिसह्व जारी किया है। वहीं विभिन्न तहसीलों में कार्य में शिथिलता बरतने वाले लेखपालों के खिलाफ प्रतिकूल प्रविष्टि और अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है।

सदर तहसील

उपजिलाधिकारी सदर ने लेखपाल महेश मिश्रा द्वारा समाधान दिवस के मामलों में बिना स्थलीय निरीक्षण किए रिपोर्ट भेजने को गंभीरता से लेते हुए उन्हें प्रतिकूल प्रविष्टि दी है।

सोरांव तहसील

उपजिलाधिकारी सोरांव ने लेखपाल अनुराग कुमार (क्षेत्र पन्नुपुर मुबारकपुर उपरहार) को समाधान दिवस पर अनुपस्थित रहने और मोबाइल बंद रखने के कारण कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

बारा तहसील

उपजिलाधिकारी बारा ने लेखपाल मनीष श्रीवास्तव (क्षेत्र हर्रो) द्वारा ऑनलाइन पोर्टल पर 27 अंश संशोधन के प्रकरण समय सीमा के बाद भी लंबित पाए जाने पर लापरवाही और स्वेच्छाचारिता मानते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उपखंड अधिकारी विद्युत वितरण खंड शंकरगढ़, भगवंत सिंह को भी शिकायतकताओं से संपर्क न करने और गुणवत्ताहीन रिपोर्ट भेजने पर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही डिजिटल कॉप सर्वे के कार्य में लापरवाही बरतने पर ग्राम पंचायत कचगवा की सहायक कीर्ति सिंह और ग्राम पंचायत फुलतारा की सहायक अनीता केशरी के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई के लिए बीडीओ को पत्र भेजा गया है।

फूलपुर तहसील

उपजिलाधिकारी फूलपुर ने लेखपाल ज्ञानचंद्र यादव (क्षेत्र बजहा/बलकरनपुर) को बार-बार शिकायतें मिलने के बावजूद गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न करने पर भर्त्सना करते हुए प्रतिकूल प्रविष्टि प्रदान की है।

हंडिया तहसील

उपजिलाधिकारी हंडिया ने ग्राम भदारी में सर्पदंश से हुई खुशी पुत्री शैलेश कुमार की मृत्यु के मामले में लापरवाही पर लेखपाल देवेंद्र कुमार को प्रतिकूल प्रविष्टि दी है, जबकि राजस्व निरीक्षक रामकुमार से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

मेजा तहसील

उपजिलाधिकारी मेजा ने लेखपाल राकेश कुमार (क्षेत्र उंचडीह) को जन शिकायतों की उपेक्षा और कार्य के प्रति उदासीनता के कारण प्रतिकूल प्रविष्टि दी है।

कोरांव तहसील

उपजिलाधिकारी कोरांव ने लेखपाल अनुज कुमार (ग्राम कोरांव) को चकमार्ग पर अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई न करने और उसी शिकायत के पुनः प्राप्त होने के कारण विशेष प्रतिकूल प्रविष्टि दी है।

केजीएमयू में स्तन कैंसर को लेकर जागरूकता गोष्ठी का आयोजन

लखनऊ। राजधानी लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के सर्जिकल ऑकोलॉजी विभाग में महिलाओं में बढ़ते स्तन कैंसर को लेकर जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं, डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान विभागाध्यक्ष डॉ. विजय ने बताया कि स्तन कैंसर आज महिलाओं में तेजी से बढ़ने वाली बीमारियों में से एक है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर इस तरह के जागरूकता अभियान और स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि महिलाओं को बीमारी के शुरूआती लक्षणों की पहचान और अर्ली स्टेज डिटेक्शन के बारे में जानकारी दी जा सके। डॉ. विजय ने कहा कि समय पर जांच और सही इलाज से स्तन कैंसर को पूरी तरह से ठीक किया जा सकता है, इसलिए हर महिला को अपने स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को अपने शारीरिक स्वास्थ्य और नियमित जांच के प्रति जागरूक बनाना है। कार्यक्रम में केजीएमयू के सर्जिकल ऑकोलॉजी विभाग के डॉक्टरों के साथ कई इंटरनल डॉक्टर, मेडिकल स्टाफ और छात्र भी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर महिलाओं को स्तन कैंसर के लक्षण, बचाव और उपचार के आधुनिक तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

सरस्वती शिशु मंदिर, पक्कीबाग, गोरखपुर में गांधी जयंती धूमधाम से मनाई गई

गोरखपुर। सरस्वती शिशु मंदिर (10+2), पक्कीबाग, गोरखपुर में आज (2 अक्टूबर) राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती का पर्व अत्यंत धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस गरिमामय आयोजन के मुख्य अतिथि श्री जियालाल जी, प्रदेश निरीक्षक, जन शिक्षा समिति, गोरक्ष प्रांत, रहे। उन्होंने गांधी जी के आदर्शों, सिद्धांतों और देश के स्वतंत्रता संग्राम में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। श्री जियालाल जी ने गांधी जी के 'सत्य' और 'अहिंसा' के मार्ग पर चलने तथा देश के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. राजेश सिंह ने अपने संबोधन में महात्मा गांधी के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंगों को साझा किया और स्वच्छता, आत्मनिर्भरता तथा सामाजिक समरसता के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के समस्त आचार्य/दीदी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बापू को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान, विद्यालय प्रांगण में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ और मिष्ठान्न वितरण के साथ हुआ।

UGC द्वारा 'डिफॉल्टर' कहे जाने पर निजी विश्वविद्यालयों का विरोध

नई दिल्ली। हाल ही में कुछ निजी विश्वविद्यालयों को यूजीसी (UNiversity Grants Commission) द्वारा डिफॉल्टर घोषित किए जाने के बाद शिक्षा जगत में तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। निजी विश्वविद्यालयों का कहना है कि इस प्रकार की भाषा न केवल कानूनी रूप से आधारहीन है, बल्कि विद्यार्थियों और अभिभावकों के बीच गलत संदेश भी देती है। विश्वविद्यालयों का तर्क है कि यूजीसी द्वारा स्थापित निजी विश्वविद्यालय पूर्णतः वैध और स्वायत्त हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी (जेपी उन्नीकृष्णन बनाम आंध्र प्रदेश राज्य, 1993; प्रो. यशपाल बनाम छत्तीसगढ़ राज्य, 2005) स्पष्ट किया है कि निजी विश्वविद्यालयों को डिफॉल्टर कहना कानून के खिलाफ है। विशेषज्ञों का कहना है कि निजी विश्वविद्यालय शिक्षा जगत के असली भागीदार हैं। ये न केवल उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रहे हैं, बल्कि रिसर्च, नवाचार और रोजगारपरक कार्यक्रमों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। प्राइवेट विश्वविद्यालयों ने यूजीसी से अनुरोध किया है कि वे डिफॉल्टर जैसे दंडात्मक शब्दों का प्रयोग न करें। इसके बजाय, विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग और समान व्यवहार की नीति अपनाकर शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों के भविष्य को सुनिश्चित किया जाए। निजी विश्वविद्यालयों का कहना है कि बार-बार उन्हें टारगेट करने और सार्वजनिक रूप से नीचा दिखाने से शिक्षा जगत में असंतोष बढ़ रहा है। उनका कहना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) के लक्ष्यों की प्राप्ति में निजी विश्वविद्यालयों की भूमिका बेहद अहम है, और उन्हें सम्मानजनक तरीके से देखा जाना चाहिए।

UGC Declares 54 Private Universities as 'Defaulters'; Madhya Pradesh Tops the List

New Delhi: The University Grants Commission (UGC) has declared 54 private universities across India as defaulters, with Madhya Pradesh having the highest number — a total of 10 institutions. The action was taken for failing to provide mandatory information and not uploading required details on their official websites as instructed by the Commission.

This move follows a June 2024 directive issued by the UGC, requiring all universities to publish key institutional details on their websites and make them easily accessible to the public.

The Commission had instructed universities to submit inspection data in a prescribed format, verified by the university registrar, and upload these verified documents online. However, several universities did not comply despite repeated reminders, leading to their inclusion in the defaulters' list under Section 13 of the UGC Act, 1956.

List of Defaulting Universities

Assam Krishnaguru Adhyatmik Visvavidyalaya, Barpeta Bihar 2. Amity University, Patna 3. Dr. C.V. Raman University, Vaishali 4. Sandip University, Madhubani Chhattisgarh 5. Anjaneya University, Raipur 6. Dev Sanskriti Vishwavidyalaya, Kumhari 7. Maharishi University of Management & Technology, Bilaspur Goa 8. India International University of Legal Education and Research, South Goa Gujarat 9. Gandhinagar University, Gandhinagar 10. JG University, Gandhinagar 11. KN University, Gujarat 12. MK University, Patan 13. Plastindia International University, Valsad 14. Surendranagar University, Surendranagar 15. TeamLease Skills University, Vadodara 16. TransStadia University, Ahmedabad Haryana 17. NIILM University, Kaithal Jharkhand 18. Amity University, Ranchi 19. AISECT University, Hazaribagh 20. Capital University, Koderma 21. Sai Nath University, Ranchi Karnataka 22. Sri Jagadhguru Murugarajendra University (SJM Campus), Karnataka Madhya Pradesh (Highest – 10 universities) 23. Azim Premji University, Bhopal 24. Aryavart University, Sehore 25. Dr. Preeti Global University, Shivpuri 26. Gyanveer University, Sagar 27. JNCT Professional University, Bhopal 28. LNCT Vidyapeeth University, Indore"29. Mahakaushal University, Jabalpur"30. Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya, Jabalpur"31. Mansarovar Global University, Sehore"32. Shubham University, Bhopal""Maharashtra"33. Alard University, Pune"34. Dr. D.Y. Patil Dnyan Prasad University, Pune""Manipur"35. Asian International University, Imphal West"36. Bir Tikendrajit University, Imphal West"37. Manipur International University, Imphal""Punjab"38. Amity University, Mohali"" Rajasthan"39. OPJS University, Churu"" Sikkim"40. Medhavi Skills University, East Sikkim"41. Sikkim Alpine University (formerly EIILM University), South Sikkim"42. Sikkim Global Technical University, Namchi"43. Sikkim International University, West Sikkim"44. Sikkim Skill University, South Sikkim""Tripura"45. Techno India University, West Tripura""Uttar Pradesh"46. Agrawan Heritage University, Agra"47. FS University, Shikohabad"48. Major SD Singh University, Farrukhabad"49. Monad University, Hapur"" Uttarakhand"50. Maya Devi University, Dehradun"51. Mind Power University, Nainital"52. Smt. Manjira Devi University, Uttarkashi"53. Surajmal University, Udham Singh Nagar""West Bengal"54. Swami Vivekananda University, North 24 Parganas""UGC has warned that strict action may follow if these universities fail to submit the required information within the stipulated time. The actions may include cancellation of recognition or other regulatory measures.

Private Universities Protest UGC's 'Defaulter' Label

New Delhi: Following the UGC's (University Grants Commission) recent declaration of certain private universities as "defaulters," the academic community has raised strong objections. Private universities argue that such terminology is not only legally unfounded but also sends a misleading message to students and parents.

Universities maintain that those established under the UGC are fully legal and autonomous. The Supreme Court has previously clarified in cases like JP Unnikrishnan vs. Andhra Pradesh (1993) and Prof. Yashpal vs. Chhattisgarh (2005) that labeling private universities as 'defaulters' is against the law.

Experts emphasize that private universities are key partners in higher education. They not only provide quality education but are also active in research, innovation, and employment-generating programs.

Private universities have requested the UGC to avoid punitive terms like 'defaulter'. Instead, they advocate for a collaborative approach with universities, promoting equal treatment and enhancing educational quality for students' futures.

They also pointed out that repeatedly targeting private universities and publicly undermining them fosters discontent within the education sector. They stressed that under the National Education Policy (NEP 2020), private universities play a crucial role in achieving educational goals and should be treated with respect.

Child Dies After Alleged Wrong Injection, Villagers Block Road in Protest

Prayagraj: In a tragic incident in Dadri village, Chaka area of Naini, the death of a young boy has sparked outrage among villagers. The child, Dev, son of Vishal Patel, had been suffering from fever for two days. Despite treatment by local doctor Ramesh, his condition worsened. According to the family, on Saturday, Dr. Ramesh administered another injection which allegedly caused the child's body to stiffen, leading to his death. In anger, the family and villagers staged a protest outside the clinic and blocked the road, demanding the arrest of the doctor and legal action against him. The protest quickly escalated, prompting police intervention. Officers including ACP Karachhana Arun Kumar Tripathi, ADC Yamanangar Vijay Anand, and ACP Kaundhiara Abdus Salam Khan arrived to control the situation. After nearly two hours of road blockade and commotion, the police managed to restore order. The child's body has been sent for postmortem. Authorities assured the public that strict legal action will be taken against the doctor involved.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।